AS PER NEP

8

तनुश्री

हिंदी पाठ्यपुस्तक

उत्तर पुस्तिका

BESTWAY PUBLICATIONS

पाठ-1

अभ्यास

1. लिखित

   (क) कवि ने किसी अन्य देवी-देवता से वर न माँगकर वीणावादिनी से ही वरदान इसलिए माँगा है क्योंकि वीणावादिनी ज्ञान की देवी है और वह अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर देती है।

   (ख) प्रस्तुत कविता में कवि वीणावादिनी से वरदान माँग रहा है कि भारत में वह स्वतंत्रता की ध्वनि भर दे जो अमरता लाए और अज्ञानरूपी अंधकार को दूर कर दें।

   (ग) देवी सरस्वती से नव गति, नव लय, नव ताल छंद, नव कंठ, नव बादल, नव आकाश, तथा पशु पक्षियों को नव स्वर प्रदान करने की बात की गई है।

   (घ) देवी से प्रकाश से परिपूर्ण निर्झर (झरने) को बहाने का अनुरोध किया गया है।

2. (क) (*i*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) परतंत्र (ख) विष, (ग) अंधकार (घ) अप्रिय

   (ङ) मुक्ति (च) पुराना

2. (क) व् + ई + ण् + आ

   (ख) न् + इ + झ् + र + अ + र् + अ

   (ग) प् + र् + अ + क् + आ + श् + अ

   (घ) व् + इ + ह् + अ + ग् + अ

   (ङ) भ् + आ + र् + अ + त् + अ

   (च) ज् + अ + ल् + अ + द् + अ

3. (क) वीणा (ख) ज्योतिर्मय (ग) स्वतंत्र (घ) कलुष

   (ङ) अमृत (च) विहग

3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-2

अभ्यास

1. लिखित

   (क) लेखिका बड़े मियाँ चिड़ियावाले की दुकान पर मोर के बच्चों के बारे में पूछने के लिए रूकी।

   (ख) कुब्जा एक मोरनी थी जो कि स्वभाव से कुब्ज़ा थी।

   (ग) नवागंतुकों का लेखिका के घर में स्वागत के लिए लक्का कबूतर उनके चारों ओर घूम-घूमकर गुटरगूँ-गुटरगूँ की रागिनी अलानने लगा। बड़े खरगोश सभ्य सभासदों के समान क्रम से बैठकर उनका निरीक्षण करने लगे। ऊन की गेंद से छोटे खरगोश उनके चारों ओर उछल-कूद मचाने लगे।

   (घ) स्वयं करें।

   (ङ) नीलकंठ ने स्वयं ही अपने सभी जानवरों का सेनापति और संरक्षक नियुक्त कर लिया था क्योंकि वह सब खरगोश, कबूतर आदि की सेना एकत्र कर उस ओर ले जाता जहाँ दाना दिया जाता है और घूम-घूमकर मानो सबकी रखवाली करता रहता। किसी ने कुछ गड़बड़ी की और वह अपने तीखे चंचु-प्रहार से उसे दंड देने दौड़ पड़ता।

   (च) नीलकंठ ने खरगोश की सर्प से रक्षा करने के लिए साँप के फन के पास पंजों से दबाया और चोंच से प्रहार किये। इससे पता चलता है कि मयूर कलाप्रिय वीर पक्षी है, हिंसक मात्र नहीं।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*) (घ) (*i*)

   (ङ) (*i*)

3. (क) मोर एक कलाप्रिय पक्षी है वह कोई हिंसक मात्र अर्थात् क्रूर पक्षी नहीं है।

   (ख) लेखिका को बार-बार ठगे जाने के कारण उसमें इस बार ठगे जाने के प्रति चिढ़ जाने की कमी आई गई थी।

   (ग) बड़े मियाँ अगर बोलना शुरू करते तो रुकने का नाम न लेते जैसे तुफानमेल के लिए कोई स्टेशन नहीं होता वह बिना रुके चलती जाती है।

4. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓

भाषा-ज्ञान

1. (क) खूबसूरत सौम्य (ख) प्राचीन पुराना

   (ग) देवनदी भगीरथी (घ) पत्ता, पात

   (ङ) टहनी शाखा

2. (क) प्रस्थान (ख) अंत (ग) निर्जीव (घ) स्थिर
   (ङ) अनजान (च) अस्वाभिक
3. (क) बचपन (ख) चंचलता (ग) ध्यानपूर्वक
4. (क) तीन नेत्रों वाला अर्थात् शिव
   (ख) कमल के जैसा
   (ग) गिरि के समान धर अर्थात् कृष्ण
   (घ) कमल के समान नयन
   (ङ) धर्म की आत्मा
   (च) पवन का पुत्र अर्थात् हनुमान
   (छ) महान वीर
   (ज) लौह के समान पुरुष

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-3

अभ्यास

1. लिखित
   (क) गाँधी जी ने विनोबा के बारे में कहा–"तुम्हारे लिए कौन-सा विशेषण काम में लाऊँ, मुझे नहीं सूझता। तुम्हारा प्रेम और चरित्र मुझे मोह में डुबो देता है। सच्चा पुत्र वह है जो पिता ने जो कुछ भी किया हो, उसमें वृद्धि करें। सत्यवादी, दयामय, दृढ़ हो तो स्वयं अपने में वह गुण विशेष रूप से धारण करे। यह तुमने किया है, ऐसा दिखता है। तुमने यह मेरे प्रयत्नों से किया है, ऐसा मुझे नहीं मालूम होता। इस कारण तुमने जो पिता का पद दिया है। उसे मैं तुम्हारे प्रेम की भेंट के रूप में स्वीकार करता हूँ। उस पद के योग्य बनने का प्रयत्न करूँगा और जब मैं हिरण्यकश्यप होऊँ तो प्रह्लाद के समान मेरा सादर निरादर करना।
   (ख) विनोबा जी ने वेदांत और उपनिषदों का अध्ययन किया।
   (ग) आश्रम के निवासी के रूप में विनोबा भावे जी बहुत मेहनती और पढ़ाकू थे।
   (घ) विनोबा जी ने भूदान-यज्ञ का शुभारंभ गाँववासियों से भूमि की माँग कर आरंभ किया।

(ङ) देश की एकता व अखंडता के लिए विनोबा जी ने सूत्र दिया कि हृदय परिवर्तन की शक्ति अर्थात् प्रेम की शक्ति। वही देश को एकता के सूत्र में बाँध सकती है, अनेकता में एकता स्थापित कर सकती है, दिलों को मिला सकती है।

2. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*iii*)

3. (क) प्रेम, चरित्र (ख) ब्रह्मचर्य (ग) तत्वज्ञान (घ) आजन्म
(ङ) स्थापना

भाषा-ज्ञान

1. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) स्त्रीलिंग

2. (क) मैं (ख) मेरे (ग) तुम्हारे, मुझे (घ) वह
(ङ) उनसे

3. (क) असामान्य (ख) लोकशक्ति (ग) अनेकता (घ) विश्वविद्यालय
(ङ) आधुनिकता

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-4

अभ्यास

1. लिखित

(क) खाला पंचायत इसलिए बुलाना चाहती थी क्योंकि जुम्मन शेख और उसकी पत्नी खाला के साथ बुरा व्यवहार करते थे।

(ख) खाला ने अलगू को ही सरपंच इसलिए बनाया क्योंकि जुम्मन शेख को अलगू पर भरोसा था।

(ग) जब अलगू ने पंचायत में जुम्मन से जिरह शुरु की तो एक-एक प्रश्न जुम्मन के हृदय पर हथौड़े की चोट की तरह पड़ने लगा। जुम्मन चकित था कि अलगू को क्या हो गया—अभी यह मेरे साथ बैठा कैसी-कैसी बातें कर रहा था। इतनी ही देर में ऐसी काया-पलट हो गई कि अलगू ने खालाजान को माहवार खर्च दिये जाने को कहा। अगर जुम्मन को खर्च देना मंजूर ने हो रजिस्ट्री रद्द समझी जाएगी। इस फैसले ने उन दोनो की दोस्ती की जड़े हिला दी।

(घ) समझू साहू बैल से बहुत अधिक काम करवाता तथा उसे खाने को ठीक प्रकार न देता था जिसके कारण बैल मर गया।

(ङ) स्वयं करें।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*)

3. (क) खालाजान ने

(ख) अलगू चौधरी

(ग) अलगू चौधरी

(घ) उपस्थिति लोग

भाषा-ज्ञान

1. (क) आदेश आज्ञा (ख) दुश्मन दुराचारी
(ग) ग्राम ग्रामीण (घ) कृपाण तलवार
(ङ) बेल लता

2. (क) सरल (ख) दयालुता (ग) शत्रुता (घ) सरलता
(ङ) अक्सर (च) असंचित (छ) उचित (ज) पर्याप्त

3. (क) अनिर्णय (ख) निष्पक्ष (ग) अकथनीय (घ) अनुकरणीय
(ङ) परिवर्तनीय (च) पक्षनीय

4. (ख) निष्काम (ग) निष्कपट (घ) निष्चल (ङ) मनोविकार
(च) निरस (छ) निष्तेज (ज) निश्चित

5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-5

अभ्यास

1. लिखित

(क) लाला झाऊलाल अपनी पत्नी के लिए ढाई सौ रुपये उधार माँगन के लिए गए थे।

(ख) पानी पीने के संबंध में बुजुर्गों ने नियम बनाए थे कि खड़े-खड़े पानी न पियो, सोते समय पानी न पियो, दौड़ने के बाद पानी न पियो।

(ग) बिलवासी जी ने परिचित होने पर भी झाऊलाल को अंग्रेज के सामने पहचानने से इसलिए इनकार किया क्योंकि लोटा लाल झाऊलाल के द्वारा गिरा था। अगर अंग्रेज यह जान जाता तो लाला को खूब खरी-खोटी सुनाता।

(घ) अंग्रेज लोटे से इसलिए प्रभावित हुआ क्योंकि वह एक ऐतिहासिक लोटा जान पड़ता था। वह प्रसिद्ध अकबरी लोटा था जिसकी तलाश में संसार-भर के म्यूज़ियम परेशान थे।

(ङ) बिलवासी जी ने लाला झाऊलाल के लिए पैसे का प्रबंध उस लोटे को अंग्रेज के ढाई सौ रूपये में बेचकर किया। इससे पता चलता है कि बिलवासी जी एक अच्छे व्यक्ति थे और लाला झाऊलाल के साथ उनकी घनिष्ठ मित्रता थी।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iii*) (घ) (*iii*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) गति चाल रफ्तार
   (ख) मुसीबत बाधा परेशानी
   (ग) यश प्रसिद्धि सम्मान
   (घ) मशहूर प्रसिद्ध लाजवाब
   (ङ) आज्ञा आदेश अनुमति
   (च) ध्यानमग्न लीन मग्नशील
   (छ) शुक्रिया

2. (क) पुल्लिंग (ख) पुल्लिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग
   (ङ) पुल्लिंग (च) पुल्लिंग (छ) पुल्लिंग (ज) स्त्रीलिंग

3. (क) समर्थ (ख) पश्चिम (ग) अदृश्य (घ) जटिल
   (ङ) जवाब (च) विग्रह (छ) असभ्यता (ज) वास्तविक
   (झ) विकर्षण (ञ) सामान्य

4. (क) साप्ताहिक (ख) ऐतिहासिक (ग) तिमंजिला (घ) अशिक्षित
   (ङ) शताब्दी (च) तिराहा (छ) नखशिख

5. स्वयं करें।

7. (क) तथैव (ख) सदैव (ग) मतैक्य (घ) महेश्वर

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-6

अभ्यास

1. लिखित

(क) लेखक ने गुल्ली-डंडे को को खेलों का राजा इसलिए कहा क्योंकि इस खेल में न तो लॉन की जरूरत, न कोर्ट की न नेट की और न ही थापी की जरूरत पड़ती है। मज़े से किसी पेड़ की टहनी काट ली गुल्ली बना ली और दो आदमी इकट्ठे कर खेल शुरू हो जाता है।

(ख) बीस साल बाद लौटने पर लेखक को कस्बे में परिवर्तन देखा कि जहाँ खंडहर था वहाँ पक्के मकान खड़े थे। जहाँ बरगद का पुराना पेड़ था, वहाँ अब एक सुंदर बगीचा था।

(ग) गया लेखक की गुल्ली-डंडे के दाँव वाली बात पर बड़ी मुश्किल से राजी हुआ।

(घ) गया की सरलता देखकर लेखक ने बड़ी उदारता से दाँव देना तय कर दिया।

(ङ) खेल में पढ़न से बचने के लिए कथानायक पढाई का बहाना बना देता था।

(च) कथानायक और गया के बीच स्मृतियाँ सजीव होने पर अफसरी दीवार बन गई। क्योंकि कथानयक बहुत बड़ा अफसर था और गया एक सईस।

(छ) स्वयं करें।

2. (क) (*i*) (ख) (*i*) (ग) (*iii*) (घ) (*ii*)

3. (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✓

(ङ) ✓ (च) ✓

भाषा-ज्ञान

1. (क) नेत्र नयन चक्षु

(ख) वृक्ष दरख्त पादप

(ग) पितृ बापू बाप

(घ) दरोगा पुलिसवाला

(ङ) दिल

(च) दीपक दीया चिराग

(छ) खुशी उत्साह हर्ष

2. स्वयं करें।

3. (क) दौड़ रहा था।

(ख) तबादला हो गयाा।

(ग) चढ़ गया।

(घ) आनंद आ रहा।

(ङ) जा बैठे।

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-7

अभ्यास

1. लिखित

(क) जाति, धर्म और रंग का भेदभाव मिटाने के लिए समता का भाव रखना चाहिए।

(ख) नए हाथों में हम वर्तमान का रूप अपनी सोच को बदल कर सँवार सकते हैं।

(ग) गगन के समान ऊँचा उठने के लिए हमें अच्छे-अच्छे कार्य करने चाहिए और आपस में मिलकर रहना चाहिए।

(घ) 'निरंतर गतिशील बने रहो' कवि ने इसलिए कहा है क्योंकि धरती को स्वर्ग बनाना है।

(ङ) हम धरती को स्वर्ग अपने मन से सारे भेदभाव मिटाकर बना सकते हैं।

2. (क) (*iii*) (ख) (*i*) (ग) (*iii*) (घ) (*i*)

3. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) विराग (ख) नवीन (ग) अक्षर (घ) भूतकाल
   (ङ) स्वर्ग (च) सत्य (छ) कुरूप (ज) मृत्यु
2. स्वयं करें।
3. (क) सुंदरता (ख) अपनापन (ग) ऊँचाई (घ) चाहत
   (ङ) हरयाली (च) वीरता (छ) शीतलता (ज) सच्चाई
4. (क) नया (ख) चतुर (ग) नवीन (घ) बारिश
   (ङ) बरसात (च) संसार (छ) राज्य (ज) विश्व
   (झ) हवा (ञ) आग (ट) बनाना (ठ) बनावट
5. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-8

अभ्यास

1. लिखित

   (क) लेखक ने वाराणसी का महत्व बताया कि वाराणसी भारत की एक प्राचीन नगरी है। गंगी क निर्मल धारा अनेक वर्षों से इसके आँचल में मचल-मचलकर बहती रही है। इस नगरी का अपना सैकड़ों वर्ष पुराना वैभवशाली इतिहास है। हमेशा से यह नगरी शिक्षा का एक बड़ा केंद्र रही है। प्राचीन काल में यह काशी राज्य की राजधानी थी।

   (ख सुश्रुत ने मानव शरीर के भीतरी अंगों की जानकारी प्राप्त करने के लिए एक अनूठी विधि खोज निकाली थी। मृत शरीर को पहले किसी वजनदार वस्तु के साथ बाँधकर किसी छोटी-सी नहर में डाल देते थे। जब ऊतक फूल जाते तब झाड़ियों और लताओं से बने बड़े-बड़े ब्रुशों द्वारा उन्हें शरीर से अलग कर दिया जाता था। इससे शरीर के आंतरिक अंगों की रचना स्पष्ट हो जाती थी।

   (ग) काशी के साथ-साथ नालंदा और तक्षशिला के प्राचीन विश्वविद्यालय में उच्चकोटि की शिक्षा दी जाती थी।

(घ) फटी हुई आँतो के दो किनारों को जोड़ने के लिए सुश्रुत द्वारा खोजी गई तकनीक को विलक्षण इसलिए कहा गया क्योंकि इसके लिए वे एक किस्म के चींटों का उपयोग किया करते थे।

(ङ) 'सुश्रुत संहिता' में चिकित्सा विज्ञान के हर महत्त्वपूर्ण पहलू पर विस्तृत जानकारी दी गई है, जैसे–ऑपरेशन के बाद क्या-क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए, रोगी का आहार कैसा होना चाहिए घाव भर जाए इसके लिए कौन-कौन सी औषधियाँ देनी चाहिए।

2. (क) (*ii*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*) (घ) (*ii*)

3. (क) स्वर्णिम (ख) वैभवशाली (ग) अवतार (घ) विशद्

(ङ) शल्यक्रियाएँ

भाषा-ज्ञान

1. (क) दंत दाँत (ख) नृप सम्राट

(ग) विद्यालय स्कूल (घ) भगीरथी कालिंदी

(ङ) बीमार अस्वस्थ

2. स्वयं करें।

3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-9

अभ्यास

1. लिखित

(क) बिहार के बाढ़-पीडित बेघरबार हो गए थे। उनके पास खाने के लिए दाना तक नहीं था, पहनने के लिए कपड़े भी नहीं थे।

(ख) रोहन के दोस्तों ने चंदा न देने के लिए।

(ग) अरुण ने कहा–बाढ़-पीडितों का इंतजाम सरकार करेगी। वीरु ने कहा मेरी तो जेब ही खाली है।

(घ) सभी बच्चे गमले में पैसे बोने के लिए इसलिए तैयार हुए क्यों रोहन ने उनसे कहा था कि पैसे बोने पर पैसों के पेड़ लगेगे।

(ङ) रोहन ने चंदा इकट्ठा करने के लिए इकट्ठा करने के लिए बच्चों से पैसों के पेड़ लगाने को कहा।

(च) हमारे विचार से रोहन द्वारा अपनाया गया चंदा इकट्ठा करने का तरीका उचित था।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*)
(ङ) (*ii*)

3. (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✗

भाषा-ज्ञान

1. (क) खजाना धन (ख) मित्र सहचर
(ग) झंडा पताका (घ) प्रसन्नता उत्साह
(ङ) मूर्ख मंदबुद्धि

2. (क) बुद्धिमान (ख) नुकसान (ग) अमीर (घ) अविश्वास
(ङ) शत्रु (च) निराशा

3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-10

अभ्यास

1. लिखित

(क) दूसरे विश्वयुद्ध के कारण ऐन फ्रैंक और उसके परिवार को छिपना पड़ा।

(ख) पिता को फ्राइंग पेन में से बचा-खुचा खाना निकालते समय अपने आप पर हँसी इसलिए आई क्योंकि पिछले पचास साल में यह पहली बार हुआ कि मेंज पर वे फ्राइंग पेन में से खुरचकर बचा-खुचा खाना खा रहे थे।

(ग) शानदार खबर थी कि हिटलर की हत्या करने की कोशिश की गई है और इस बार प्रयास यहूदी कम्युनिस्टों या ब्रिटिश पुँजीपतियों द्वारा नहीं किया गया है बल्कि इसके पीछे एक जनरल था जो न केवल काउंट था बल्कि युवा भी था।

(घ) स्वयं करें।

(ङ) 4 अगस्त, 1944 की सुबह दस-साढ़े दस के बीच, 263 प्रिंसेनग्राइट पर एक कार आकर रुकी। उसमें से उतरे व्यक्तियों ने ऐन फ्रैंक और उनके परिवार को पकड़ लिया। वेस्टरबोर्क में हरमन वानदान को गैस के ज़रिए मार डाला गया। एडिथ फ्रैंक की 6 जनवरी, 1945 की भूख और यंत्रणा से मृत्यु हो गई। यातना शिविर में महामारी के कारण मार्गोट और ऐन फ्रैंक की मृत्यु हुई। युद्ध की समाप्ति तक इन आठों में से सात की मौत हो चुकी थी, केवल ऐन फ्रैंक के पिता ओट्टो फ्रैंक ही जीवित बचे थे।

2. (क) नहाने-धोने का काम टिन के टब में इसलिए किया जा रहा था क्योंकि गुसलखाना नहीं था।

(ख) शनिवार को दोपहर के वक्त परदे नीचे रहते थे इसलिए ऐन फ्रैंक और मार्गोट दोपहर को नहाती थी।

(ग) नीचे वाली मंजिल में पाइप की मरम्मत का काम हो रहा था।

(घ) अकड़ी हुई पीठ को हल्के-फुल्के व्यायाम से आराम मिला।

भाषा-ज्ञान

1. (ख) खारा पन (ग) आधार इत
(घ) छिड़का व (ङ) महत्त्व पूर्ण
(च) भारत इय

2. स्वयं करें।

3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-11

अभ्यास

1. लिखित

(क) पहली कुंडली में कवि संदेश दे रहा है कि हमें बिना सोच-विचार के कोई भी कार्य नहीं करना चाहिए क्योंकि बिना सोच विचार के कार्य करने पर व्यक्ति को सदैव पछताना पड़ता है और जग में भी उसका मजाक बनता है। खान-पान कुछ मन नहीं भाता, कुछ भी मन को अच्छा नहीं लगता है।

(ख) कोयल और कौवे का उदाहरण वाणी के संदर्भ में दिया गया है कि कोयल की मीठी वाणी बोलती है और कौवा कितना कर्कष बोलता है।

(ग) दूसरी कुंउली में कवि ने वाणी के संबंध में शिक्षा दी है जो हमें सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

(घ) प्रत्येक कार्य सोच-विचार कर करने से ही सफलता मिलती है अन्यथा व्यक्ति को पछताना पड़ता है जैसे परीक्षा आने पर मेहनत न करना और फेल हो जाने पछताना।

(ङ) धनवान होने पर अभिमान इसलिए नहीं करना चाहिए क्योंकि अभिमान व्यक्ति की बुद्धि को हर लेता है और उसका को सम्मान नहीं होता है।

2. (क) निम्नलिखित पंक्तियों से भाव है कि शब्द सभी सुनते हैं चाहे कौवा हो या कोयल। परंतु सभी को कोयल ही भाती है कौए को तो वह अपावन, अपवित्र ही कहते हैं।

(ख) यदि आपके घर और नाव में पानी भर जाता है तो उसे दोनों हाथों से निकालना ही समझदारी का काम है।

(ग) कवि गिरिधर कहते हैं कि यह दौलत दिन पर दिन घटती रहती है क्योंकि सभी का धन कुछ दिनों के लिए ही उनके पास रहता है।

(घ) पंक्तियों का भाव है कि जग संसार में मजाक बनता है मन को कुछ नहीं भाता है खान, पान, राग, रंग कुछ भी मन को नहीं भाता है।

(ङ) दौलत आने पर हमें सपने में भी घमंड नहीं करना चाहिए क्योंकि यह चंचल दौलत तो केवल चार दिन के लिए ही होती है।

3. (क) (*iii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*)
(ङ) (*ii*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) कोयल (ख) जल, वारि
(ग) नैया, नौका (घ) रात, रात्रि
(ङ) धन संपत्ति (च) चंट चतुर
(छ) वाणी बोली

2. (क) ग्राहक (ख) सारे (ग) कौवा (घ) शब्द
(ङ) जैसा (च) सम्मान (छ) गुण (ज) भजन

3. (क) कुचाल (ख) रोना (ग) शांत (घ) बैचेन
(ङ) असहनीय (च) पावन

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ–12

अभ्यास

1. लिखित

   (क) कूच-पड़ाव के लागों ने सलाह दी कि खच्चरों के लिए ऊपर घस-दाना ले जाना बेकार है। वहाँ इस मौसम में बहुत पौष्टिक घास मिलेगी। ज़रूरी समझें तो थोड़ा-बहुत दाना उनके लिए ले जाइए।

   (ख) छह खच्चर और दस शेरपा अभियान में थे।

   (ग) ओले पड़ने के कारण खच्चर भूखे रह गए थे।

   (घ) दो-तीन दिन कही रुक जाए और केवल नाश्ते में एक कप कॉफी से ही काम चलाया जाए।

   (ङ) ग्रुप लीडर ने प्रस्वीकार नहीं किया कि संभव है कूच पड़ाव में लोगों ने हमें समाप्त मानकर हमारी खोज, व्यर्थ समझ ली हो। यहाँ खच्चरों की तरह भूखे मर जाने से बेहतर है कि हम लोगों में से दो आदमी दर्रे के समीप नीचे स्थान से धार लाँखने का यत्न करें और समाचार दें। वह स्थान सवा तीन मील से दूर न होगा। यदि हम लोग तीन घंटे में धार न हो सके तो लौट आएँगे।

   (च) स्वयं करें।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*iii*) (घ) (*ii*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) सागर (ख) तट (ग) नभ (घ) उजाला
2. (क) लहय (ख) महानता (ग) आहार (घ) प्रतिकूल
3. स्वयं करें।
4. (क) पौष्ट + इक (ख) हिनहिन + आहट
   (ग) निर्बल + ता (घ) अनु + कूल
5. स्वयं करें।
6. (क) मांस खाने वाला (ख) बहुत कठिनाई से मिलना
   (ग) आहार के बिना (घ) कान कटा हुआ

8. (क) विद्वानजन (ख) पक्षीगण (ग) अध्यापकगण (घ) बालकजन
(ङ) प्रजाजन (च) पाठकगण (छ) देवगण (ज) बंगालीदल

9. (क) दया भाव (ख) स्थिति (ग) निवेदन (घ) संदेह
दयालुता उम्र विनती संभावना
(ङ) कोशिश
बल

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-13

अभ्यास

1. लिखित
   (क) नन्हीं चींटी कभी भी हार नहीं मानती है। वह निरंतर आगे बढ़ती रहती है।
   (ख) कोशिश करते रहने से उसकी मेहनत बेकार नहीं जाती है।
   (ग) गोताखोर को सागर से मोती निकालने के लिए बहुत गहराई में जाना पड़ात है वह भी बार-बार क्योंकि एक बार में मोती नहीं मिल पाते हैं। यहाँ कवि गोताखोर का उदाहरण हमें उससे सीख लेने के लिए दिया है।
   (घ) 'चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है' कवि ने यह पंक्ति चींटी के लिए लिखी है। ताकि हम उससे निरन्तर परिश्रम करने की सीख ले सके।
   (ङ) 'कुछ किए बिना ही जय-जयकार नहीं होती अर्थात् अपनी पहचान और नाम बनाने के लिए कुछ विशेष कार्य करना पड़ता है।

2. (क) (*i*) (ख) (*iii*) (ग) (*ii*) (घ) (*i*)
   (ङ) (*iii*)

3. निम्नलिखित पंक्तियों से भाव है कि असफलता प्राप्त होने पर हमें उसे एक चुनौती की तरह स्वीकार करना चाहिए और छुटी हुई कमियों को पहचानकर उनमें सुधार करना चाहिए। जब आप अपने जीवन में सफलता को प्राप्त नहीं कर लेते तब तक नींद त्याग दो और परिश्रम में लग जाओ। हमें बस संघर्ष करना है और मुश्किलों को देखकर उनसे भागना नहीं है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) प्रयत्न अभ्यास (ख) तरंग तरंगानि
   (ग) नाव नौका (घ) सागर समुद्र
   (ङ) संग्राम लड़ाई (च) कर हाथ
   (छ) साहस बल
2. (क) विशाल (ख) अविश्वास (ग) आलस (घ) निर्बल
   (ङ) जीत (च) असफल
3. (क) अ नाच आर
   (ख) बन आवट ई
   (ग) दुस्स साहस इक
   (घ) अ सामाजिक ता
   (ङ) अति चार ई

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-14

अभ्यास

1. लिखित
   (क) बच्चे मिठाईवाले से इसलिए प्रेम करते थे क्योंकि मिठाईवाला बड़े काम मूल्य में उन्हें खिलौने, मिठाई आदि दे जाता था।
   (ख) मिठाईवाला बहुत ही भला व्यक्ति था परंतु उसके परिवार का कोई सदस्य नहीं था इसलिए वह कभी मुरली और कभी खिलौने बेचा करता था कि कही उसके बच्चे उसे मिल जाए।
   (ग) वह फेरीवाला अपना सामान इतना सस्ता इसलिए बेचता था क्योंकि उसे बच्चों से प्रेम था।
   (घ) रोहिणी की दृष्टि में फेरीवाला एक भला व्यक्ति था जो कि बहुत ही कम मूल्य में बच्चों को मुरली, खिलौने, मिठाइयाँ दे जाता था।
   (ङ) मिठाईवाले ने अपने बारे में रोहिणी और दादी को बताया कि वह भी एक प्रतिष्ठित आदमी था। मकान, व्यवसाय, गाड़ी-घोड़े, नौकर-चाकर सभी कुछ

था। स्त्री थी, छोटे-छोटे दो बच्चे थे। मेरा सोने का संसार था। बाहर संपत्ति का वैभव था, भीतर सांसारिक सुख था। स्त्री सुंदर थी। मेरी प्राण थी। बच्चे ऐसे जैसे सोने से सुंदर सजीव खिलौने। उनकी अठखेलियों के मारे घर में कोलाहल मचा रहता था। समय की गति। बिधाता की लीला। अब कोई नहीं है। प्राण निकाले नहीं निकले इसलिए अपने बच्चों की खोज में निकला हूँ। वे सब होगें तो यहीं कहीं। इस तरह के व्यवसायों में कभी-कभी अपने उन बच्चों की झलक मिल जाती है।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*ii*) (घ) (*i*)
3. (क) गलियों (ख) उस्ताद (ग) खिलौने (घ) रोहिणी
   (ङ) धनी

भाषा-ज्ञान

1. (क) कोमल (ख) जीत (ग) मीठा (घ) शांति
   (ङ) धन (च) गला
2. (क) तंग (ख) सच (ग) विस्मरण (घ) पूरा
   (ङ) कठोर (च) नया
3. (क) युवतियाँ (ख) मुरलियाँ (ग) हथेली (घ) खिलौने
   (ङ) उंगलियाँ (च) स्त्रियाँ (छ) टोपियाँ
4. (क) दूधवाला (ख) नाववाला (ग) गुब्बारेवाला (घ) ताँगेवाला
   (ङ) बिजलीवाला (च) रिक्शेवाला (छ) सब्ज़ीवाला (ज) तालेवाला

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-15

अभ्यास

1. लिखित
   (क) तमिलनाडु की प्रमुख नदी कावेरी है। कावेरी नदी तमिलनाडु को दो भागों में बांटती है। अपनी सहायक नदियों और नहरों से यह नदी सारे भू-भाग को वर्षभर उपजाऊ बनाए रखती है।

(ख) इस पाठ में कण्णगी के बारे में बताया गया है कि तमिल का एक काव्य ग्रंथ है-'शिलप्पधिकारम्'। यह मूर्ति उसी काव्य की नायिका कण्णगी की है। रानी का नूपुर खो जाने पर राजा के इसके पति को भ्रांतिवश चोर समझकर मरवा डाला था। जब इस देवी को पता चला तो वह क्रोध की मुद्रा में राजा के पास जाकर अपने अपने पैर का पैसा ही नूपुर हाथ में लेकर दिखाते हुए कहने लगी कि दूसरा नुपूर भी मेरा ही है। मेरे पति चोर नहीं थे। वह क्रोध का भाव इस मूर्ति से प्रकट हो रहा है।

(ग) मछुआरों के बारे में बताया गया कि वे जोखिमभरा जीवन जीते हैं। रात में मछुआरे अपनी नावों को लेकर गहरे समुद्र में चले जाते हैं और मछलियों को पकड़कर सुबह होने पर तट पर लौट आते हैं।

(घ) दक्षिण भारत के सभी मंदिरों के सामने सुंदर तालाब होते हैं। तालाब के चारों तरफ सीढ़ियाँ बनी होती है।

(ङ) महाबलिपुरम् चेन्नई से साठ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पल्लव राजाओं के स्मारक के रूप में इसका विशिष्ट स्थान है। यहाँ के गुफा-मंदिर, रथ और दीवार पर अंकित चित्र विशेष रूप से दर्शनीय है। यहाँ की शिल्पकला सातावीं सदी की है। यहाँ के कई मंदिरों ने तो समय के साथ जल समाधि ले ली है। अब एक मंदिर शेष है। मंदिर पत्थरों को तराशकर रथ के आकार में बनाए गए हैं। इस प्रकार कुल छह रथ मंदिर हैं। इनमें पाँच पाँडवों के नाम पर हैं और छठा द्रौपदी के नाम पर। कृष्ण मंडप के सामने तपस्या करते अर्जुन की प्रतिमा है।

(च) कांचीपुरम-"अयोध्या, मथुरा, मायापुरी, काशी, कांची, अंवती और द्वारिका" के लिए प्रसिद्ध है।

(छ) तमिलनाडु के पवित्र स्थानों में चिदंबरम का स्थान सर्वोपरि है।

(ज) रंगनाथ के मंदिर कुल सात परकोटे हैं। इस मंदिर की लंबाई 3000 फुट और चौड़ाई 2800 फुट है। इस मंदिर में भगवान शेषशायी की भव्य मूर्ति प्रतिष्ठित है।

(झ) मीनाक्षी मंदिर अपनी भव्यता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। ऐसा कहा जात है कि मीनाक्षी देवी स्वयं पांडय नरेश की पुत्री थीं। अपनी शक्ति के बल पर उन्होंने शिवजी से विवाह किया था।

(ञ) स्वामी विवेकानंद अमेरिका जाने से पहले इसी स्थान पर समुद्र के बीच एक चट्टान पर ध्यानमग्न हुए थे। इसी चट्टान पर संगमरमर का भव्य विवेकानंद स्मारक निर्मित हुआ है।

2. (क) (*ii*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*)

3. (क) पर्वतीय रानी (ख) जोखिमभरा (ग) गोपुरम (घ) काँचीपुरम
(ङ) महाबलिपुरम् (च) रंगनाथ (छ) मीनाक्षी

4. (क) महाबलपिुरम चेन्नई से साठ किलामीटर की दूरी पर स्थित है।
(ख) पल्लव राजाओं के स्मारक के रूप में इसका विशिष्ट स्थान है।
(ग) गुफा-मंदिर, रथ और दीवार पर अंकित चित्र विशेष रूप से दर्शनीय है।
(घ) यहाँ की शिल्पकला सातवीं सदी की हैं।
(ङ) यहाँ के मंदिरों ने समय के साथ जल में समाधि ले ली है।

भाषा-ज्ञान

1. स्वयं करें।
2. (क) राजा का पुत्र (ख) वन का वास (ग) रोग से मुक्त (घ) यज्ञ की शाला
(ङ) गंगा का जल (च) पुस्तक का आलय
3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-16

अभ्यास

1. लिखित
(क) परीक्षण करने के लिए गमले को कुछ दिन औंधा लटकाए रखा।
(ख) पौधे प्रकाश संश्लेषण की क्रिया के द्वारा भोजन ग्रहण करते हैं। इस क्रिया में जड़ मिट्टी से आवश्यक सभी पोषक सोख कर पौधे के प्रत्येक भाग तक पहुँचाती है। जड़ों को पानी ने मिलने पर पेड़ का भोजन बंद हो जाता है और पेड़ मर जाता है।
(ग) पेड़ के पत्ते हवा से आहार ग्रहण करते हैं। पत्तों में अनगिनत छोटे-छोटे मुँह होते हैं। खुर्दबीन के जरिए अनगिनत मुँह पर अनगिनत होंठ देखे जा सकते हैं। जब आहार करने की ज़रूरत न हो तब दोनों होंठ बंद हो जाते हैं।

(घ) अंगारक वायु ग्रहण करने पर जीव-जंतु कुछ ही दिनों में नष्ट हो सकते हैं।

(ङ) पेड़ के पत्तों पर जब सूर्य का प्रकाश पड़ता है, तब पत्ते सूर्य-ऊर्जा के सहारे 'अंगारक' पयु से अंगार निःशेष कर डालते हैं और वही अंगार पेड़ के शरीर में प्रवेश करके उसका संवर्धन करते हैं।

(च) मधुमक्खियाँ एक फूल के पराग-कण को दूसरे फूल पर ले जाती हैं। पराग-कण के बिना बीज पक नहीं सकता है।

(छ) जड़ को पानी न मिलने पर तेज हवा के झोके से तथा नन्हें बीज के पोषण के लिए पौधा अक्सर मर जाता है।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) बालक संतान (ख) उजाला रोशनी
   (ग) छोटा नन्हा (घ) अँधेरा अंधियारा
   (ङ) पुष्प सुमन (च) रवि सूरज
2. (क) मृत्यु (ख) अँधेरा (ग) दिखना (घ) असुरक्षा
   (ङ) दुर्गंध (च) अमृत
3. (क) ओह (ख) छिः (ग) शाबाश (घ) हाय
   (ङ) अरे (च) अरे (छ) हट (ज) वाह

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-17

अभ्यास

1. लिखित

   (क) पिता ने बेटे की प्रतिभा को तब पहचाना जब वह अपनी आया के सिर पर गुब्बारे रखवाकर बंदूक से निशाना साध रहा था और उसके सातों निशानें सटीक बैठे।

(ख) अभिनव को ओलंपियन अभिनव बनाने में माता-पिता ने पर्याप्त सभी सुविधाएँ उपलब्ध करवाई और धैर्य व संयम का पाठ पढ़ाया।

(ग) अभिनव ने अपनी पढ़ाई से समझौता नहीं किया क्योंकि वह हर चीज़ में बेहतर प्रदर्शन करताथा। उसने कक्षा 12 में वाणिज्य संकाय में पहला स्थान प्राप्त किया था।

(घ) अभिनव मेहनती, लग्नशील, कर्मठ एवं एक प्रतिभावान निशानेबाज हैं जिन्होंने अपनी अदम्य प्रतिभा के बल पर देश का नाम रोशन किया और अनेक पुरस्कार प्राप्त किए।

(ङ) अभिनव ने 2006 में क्रोएशिया के जगरेब में आयोजित विश्व चैंपियनशिप में खिताबी जीत हासिल कर बीजिंक ओलंपिक के लिए पात्रता अर्जित की।

2. (क) (*iii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*)

भाषा-ज्ञान

1. (क) आगे (ख) झूठ (ग) अशिक्षा (घ) आखरी
   (ङ) सार्वजनिक (च) सिनीयर
2. (क) दास (ख) तपस्वी (ग) पुत्र (घ) शहजादा
   (ङ) बुड्ढी (च) वृद्धा
3. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*i*) (घ) (*ii*)

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-18

अभ्यास

1. लिखित

(क) पक्षी और बादल की चिट्ठियों में पेड़-पौधे, पानी और पहाड़ भगवान के भेजे एकता और सद्भावना के संदेश को पढ़ पाते हैं। तभी तो नदियाँ समान भाव से सभी लोगों में अपने जल को बाँटती है। पहाड़ भी समान रूप से सबके साथ खड़ा होता है। हवा भी समान भाव से बढ़ती हुई अपनी ठंडक, शीतलता व सुगंध को बाँटती है। पेड़-पौधे भी समान भाव से अपने फल, फूल व सुगंध को

बाँटते हैं। ये सभी कभी भेदभाव नहीं करते। मानव को भी इनसे प्रेरणा लेकर प्रेम और सद्‌भावना को बढ़ना चाहिए।

(ख) एक देश की धरती अपने प्यार व सुगंध को पक्षियों के द्‌वारा दूसरे देश को भेजकर सद्‌भावना का संदेश भेजती है। धरती अपने भूमि में उगने वाले फूलों के रूप में भेजती है। हवा में उड़ते हुए पक्षियों के पंखां पर प्रेम-प्यार की सुगंध तैरकर दूसरे देश तक पहुँच जाती है। इस प्रकार एक देश की धरती दूसरे देश को सुगंध भेजती है।

2. (क) (*i*) (ख) (*i*) (ग) (*ii*)

3. (क) पक्षी और बादल

ये भगवान के डाकिए हैं

जो एक महादेश से दूसरे

महादेश को जाते हैं।

(ख) एक देश की भाप दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।

भाषा-ज्ञान

1. (क) वृक्ष दरख्त (ख) जल वारि

(ग) खग पंछी (घ) भूमि धरा

(ङ) खुशबू महक (च) मेघ सौरभ

2. (क) आसमान (ख) दानव (ग) विदेश (घ) दुर्गंध

3. (क) प् + अ + ह् + आ + ड़् + अ

(ख) प् + आ + न् + ई

(ग) म् + अ + ह् + आ + द् + ए + व् + अ

(घ) ह् + अ + व् + आ

(ङ) स् + औ + र् + अ + भ् + अ

(च) भ् + आ + प् + अ

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ–19

अभ्यास

1. लिखित

   (क) आज संपूर्ण विश्व में जल की समस्या विकट रूप जनसंख्या बढ़ने के कारण ले रही है।

   (ख) वर्षा के अनियमित होने का प्रभाव कृषि, ऊर्जा संसाधनों और पेयजल योजनाओं पर पड़ता है। आज तालाब और कुएँ सूख रहे हैं या उनमें पानी बहुत नीचे चला गया है।

   (ग) वर्षा जल-संचयन एक साधारण व किफ़ायती उपाय है जिसमें छत एवं आँगन में गिरने वाले बरसाती पानी को पाइपों के द्वारा दिशा देकर ज़मीन के नीचे अथवा टंकियों में जमा किया जाता है।

   जल संचयन से भूजल-स्तर काफी ऊपर आया है। इससे सूखे कुओं व बेरिंग वाले कुओं का जल-स्तर बढ़ा है। यह भूमि को नम बनाकर मिट्ठी के कटाव को भी रोकता है। इससे एक और लाभ यह कि इससे सड़कों व नालियों में पानी जमा नहीं हो पाता है।

   (घ) राष्ट्रीय पेयजल मिशन एक योजना है जिसे भारत सरकार ने पेयजल की आपूर्ति के लिए बल दिया है।

   (ङ) हमारे देश के कर्नाटक में इस परिकल्पना को अपनाने से भरपूर सफलता मिली है।

   (च) स्वयं करें।

2. (क) (*ii*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*) (घ) (*iii*)

3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

भाषा-ज्ञान

1. (क) अनियमित (ख) अनिश्चित (ग) निरर्थक (घ) अविशेषज्ञ
   (ङ) कठोर (च) विग्रह
2. स्वयं करें।
3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-20

अभ्यास

1. लिखित

   (क) भीष्म पितामह ने धर्मराज युधिष्ठिर को उपदेश दिया कि शूरवीर का धर्म है कि निडर होकर अंगारों पर चलना, दुष्ट और पापियों को पैरों से कुचलना, सीना तानकर बाणों का सामना करना, हँसते हुए विष पी जाना और बलि देने के लिए सदा तैयार रहना।

   (ख) बल के क्षीण होने पर वीरता अपना तेज गँवा बैठती है।

   (ग) यौवन सदा गर्व से सिर तानकर शस्त्र खींचकर चलता है।

   (घ) थके सिंह व्यंग्य बाण सहते हुए अपमानित होते हैं।

   (ङ) मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म सदा प्रज्ज्वलित रहना है।

2. (क) (*i*) (ख) (*ii*) (ग) (*ii*)

3. (क) 'बुझा बुद्धि का दीप' अर्थात् विवेक का समाप्त हो जाना।

   (ख) इस कविता के रचयिता रामधारी सिंह दिनकर है।

   (ग) वीर पुरुष गर्व के साथ चलते हैं।

4. स्वयं करें।

भाषा-ज्ञान

1. (क) अमृत (ख) समय (ग) पराजय (घ) पर्याप्त

   (ङ) सम्मान (च) भय (छ) कायर (ज) अधर्म

   (झ) अविवेक (ञ) सामान्य (ट) अपतित (ठ) विष

2. स्वयं करें।

3. स्वयं करें।

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-21

अभ्यास

1. लिखित

   (क) "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा" और "जय हिंद" जैसे प्रसिद्ध नारे दिए।

   (ख) सुभाष चंद्र बोस बचपन से पढ़ने में होनहार थे। उन्होंने दसवीं की परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया था और स्नातक में भी वे प्रथम आए थे। कोलकाता के स्कॉटिश चर्च कॉलेज से उन्होंने दर्शनशास्त्र में स्नातक की डिग्री हासिल की थी। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा की तैयारी के लिए बाहर पढ़ने गए।

   (ग) सुभाष चंद्र बोस ने जलियांवाला बाग नरसंहार से बहुत व्याकुल हुए और 1921 में प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया।

   (घ) साइमन कमीशन के सभी सदस्य अंग्रेज थे और जिसके सभी नियम भारतीयों के विरुद्ध थे। इसलिए भारत में साइमन कमीशन का विरोध किया गया और काले झंडे दिखाए गए।

   (ङ) देश को अंग्रेज़ों के शासन से आजाद कराने के लिए सुभाष चंद्र बोस स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े।

   (च) देश प्रेम को याद कर हर साल सुभाष चंद्र बोस के जन्मदिन 23 जनवरी को 'देशप्रेम दिवस' मनाया जाता है।

2. (क) (*ii*) (ख) (*iii*) (ग) (*iii*) (घ) (*ii*)
   (ङ) (*i*)

3. (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✗ (ङ) ✓

भाषा-ज्ञान

1. (क) इम्तिहान परीक्षा (ख) आज़ादी मुक्ति
   (ग) कोशिश प्रयत्न (घ) बालपन बाल्यकाल
   (ङ) अभिलाषा उम्मीद (च) शिक्षक अध्यापक
   (छ) शत्रु विरोधी
2. स्वयं करें।
3. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।

पाठ-22

अभ्यास

1. लिखित

   (क) सारागढ़ी का युद्ध अफगानी पठानों से देश को बचाने के लिए सारागढ़ी में लड़ा गया।

   (ख) UNESCO ने इस लड़ाई को अपनी आठ महानम लड़ाइयों में इसलिए शामिल किया है क्योंकि इस लड़ाई में केवल 21 बहादुर जवानों ने 10-12 हजार क्रूर अफगानी आक्रमणकारियों से युद्ध लड़ा।

   (ग) भारत में सिख रेजिमेंट 'सारीगढ़ी डे', 'रेजिमेंटल बैटल ऑनर डे' के रूप में मनाती है।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*i*)

3. (क) यूरोप (ख) गुलिस्ताँ, लॉकहार्ट, सारागढ़ी (ग) माझा, जाट

   (घ) यूनेस्को (ङ) 12 सितंबर

भाषा-ज्ञान

1. (क) शत्रु विरोधी (ख) युवक युवा

   (ग) आखरी अंत (घ) आक्रमण हमला

   (ङ) निर्दयता दयाहीन (च) जीवित प्राणवान

3. स्वयं करे।

4. (क) महाराजा रणजीत सिंह ने किलों को बनवाया था।

   (ख) हवलदार ईशर सिंह गिल ने 21 सिख जवानों का नेतृत्व किया था।

   (ग) सारागढ़ी युद्ध में 1600 से 2400 अफगान मारे गए थे।

   (घ) 12 सितंबर को सिक्ख सेथ रेजिमेंट सारागढ़ी दिवस के रूप में मनातीं है।

4. स्वयं करें।

मूल्याधारित प्रश्न

स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

स्वयं करें।